॥ श्री गणेशाय नमः ॥

जन्मपत्रिका

SAMPLE PDF

12/05/1990 12:30 PM
Mumbai, Maharashtra, India

सामान्य विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	12/05/1990
जन्म समय	12:30
जन्म स्थान	Mumbai, Maharashtra, India
अक्षांश	19 N 04
देशांतर	72 E 52
समय क्षेत्र	+05:30
अयनांश	23:43:20
सूर्योदय	06:05:15
सूर्यास्त	19:04:36

घात चक्र

महीना	अश्विन
तिथि	1,6,11
दिन	शुक्रवार
नक्षत्र	रेवती
योग	व्यतिपात
करण	गर
प्रहर	1
चंद्र	9

पंचांग विवरण

तिथि	कृष्ण तृतीया
योग	शिव
नक्षत्र	ज्येष्ठा
करण	वणिज

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	विप्र
वश्य	कीट
योनि	मृग
गण	राक्षस
नाड़ी	आदि
जन्म राशि	वृश्चिक
राशि स्वामी	मंगल
नक्षत्र	ज्येष्ठा
नक्षत्र स्वामी	बुध
चरण	3
युञ्जा	प्रभाग
तत्त्व	जल
नामाक्षर	यी
पाया	ताम्ब्र
लग्न	कर्क
लग्न स्वामी	चन्द्र

fortune-teller.in

ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य		मेष	27:34:30	मंगल	कृत्तिका	सूर्य	10
चन्द्र		वृश्चिक	24:38:32	मंगल	ज्येष्ठा	बुध	5
मंगल		कुम्भ	22:13:24	शनि	पूर्वा भाद्रपद	गुरु	8
बुध	वक्री	मेष	15:02:50	मंगल	भरणी	शुक्र	10
गुरु		मिथुन	15:12:56	बुध	आर्द्रा	राहु	12
शुक्र		मीन	15:26:30	गुरु	उत्तरा भाद्रपद	शनि	9
शनि	वक्री	मकर	01:34:11	शनि	उत्तराषाढ़ा	सूर्य	7
राहु	वक्री	मकर	17:47:00	शनि	श्रावण	चन्द्र	7
केतु	वक्री	कर्क	17:47:00	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	1
लग्न		कर्क	26:44:32	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	1

सूर्य
मेष
कृत्तिका

सम

चन्द्र
वृश्चिक
ज्येष्ठा

सम

मंगल
कुम्भ
पूर्वा भाद्रपद

योगकारक

बुध
मेष
भरणी

हानिप्रद

गुरु
मिथुन
आर्द्रा

लाभप्रद

शुक्र
मीन
उत्तरा भाद्रपद

हानिप्रद

शनि
मकर
उत्तराषाढ़ा

हानिप्रद

राहु
मकर
श्रावण

--

केतु
कर्क
अश्लेषा

--

fortune-teller.in

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

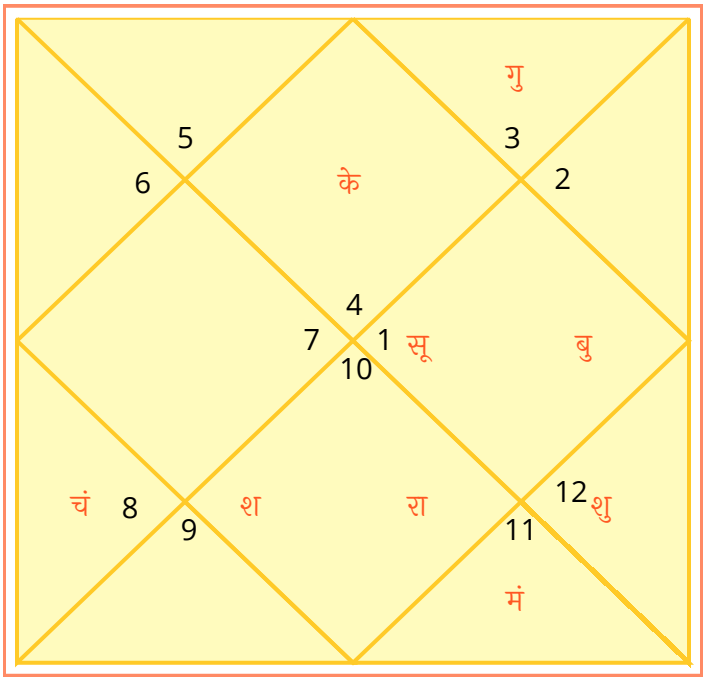

व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

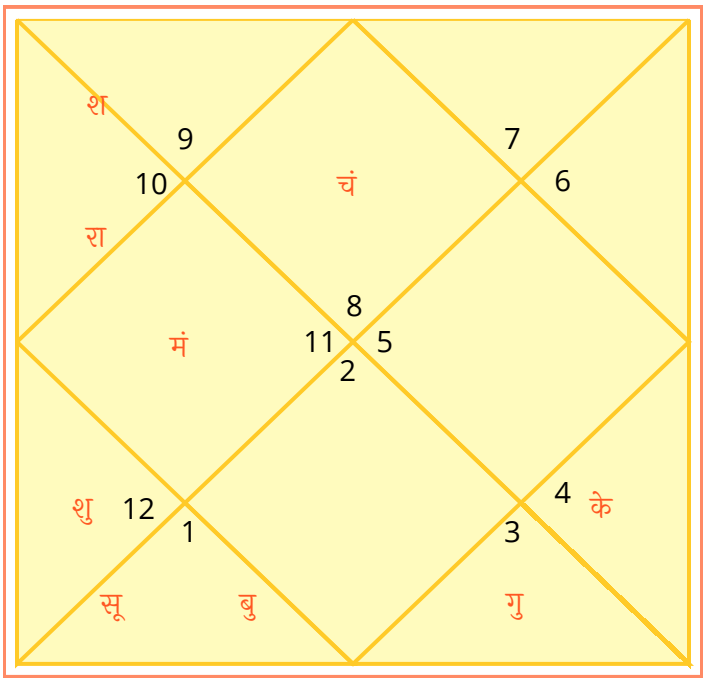

चंद्र कुंडली

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

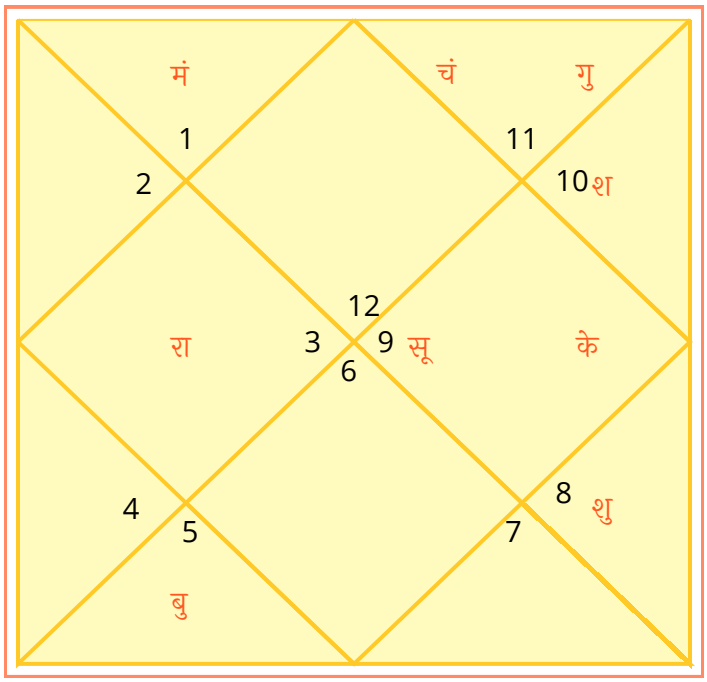

नवमांश कुंडली

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।

fortune-teller.in

विम्शोत्तरी दशा - I

बुध

11-3-1980 7:45
11-3-1997 13:45

बुध	7-8-1982 23:12
केतु	5-8-1983 4:9
शुक्र	5-6-1986 1:9
सूर्य	11-4-1987 12:15
चन्द्र	9-9-1988 22:45
मंगल	7-9-1989 3:42
राहु	26-3-1992 13:0
गुरु	2-7-1994 10:36
शनि	11-3-1997 13:45

केतु

11-3-1997 13:45
11-3-2004 7:45

केतु	7-8-1997 17:12
शुक्र	7-10-1998 20:12
सूर्य	12-2-1999 16:18
चन्द्र	13-9-1999 17:48
मंगल	9-2-2000 21:15
राहु	27-2-2001 9:33
गुरु	3-2-2002 7:9
शनि	15-3-2003 2:48
बुध	11-3-2004 7:45

शुक्र

11-3-2004 7:45
11-3-2024 7:45

शुक्र	11-7-2007 19:45
सूर्य	11-7-2008 1:45
चन्द्र	11-3-2010 19:45
मंगल	11-5-2011 22:45
राहु	11-5-2014 16:45
गुरु	9-1-2017 16:45
शनि	11-3-2020 7:45
बुध	10-1-2023 4:45
केतु	11-3-2024 7:45

सूर्य

11-3-2024 7:45
11-3-2030 19:45

सूर्य	28-6-2024 21:33
चन्द्र	28-12-2024 12:33
मंगल	5-5-2025 8:39
राहु	30-3-2026 2:3
गुरु	16-1-2027 6:51
शनि	29-12-2027 6:33
बुध	3-11-2028 17:39
केतु	11-3-2029 13:45
शुक्र	11-3-2030 19:45

चन्द्र

11-3-2030 19:45
11-3-2040 7:45

चन्द्र	10-1-2031 4:45
मंगल	11-8-2031 6:15
राहु	9-2-2033 3:15
गुरु	11-6-2034 3:15
शनि	10-1-2036 10:45
बुध	10-6-2037 21:15
केतु	9-1-2038 22:45
शुक्र	10-9-2039 16:45
सूर्य	11-3-2040 7:45

मंगल

11-3-2040 7:45
12-3-2047 1:45

मंगल	7-8-2040 11:12
राहु	25-8-2041 23:30
गुरु	1-8-2042 21:6
शनि	10-9-2043 16:45
बुध	6-9-2044 21:42
केतु	3-2-2045 1:9
शुक्र	5-4-2046 4:9
सूर्य	11-8-2046 0:15
चन्द्र	12-3-2047 1:45

fortune-teller.in

विम्शोत्तरी दशा - II

राहु	गुरु	शनि
12-3-2047 1:45 11-3-2065 13:45	11-3-2065 13:45 11-3-2081 13:45	11-3-2081 13:45 12-3-2100 7:45

राहु	22-11-2049 5:57	**गुरु**	29-4-2067 18:33	**शनि**	14-3-2084 8:48
गुरु	16-4-2052 20:21	**शनि**	10-11-2069 1:45	**बुध**	22-11-2086 11:57
शनि	21-2-2055 19:27	**बुध**	15-2-2072 23:21	**केतु**	1-1-2088 7:36
बुध	10-9-2057 4:45	**केतु**	21-1-2073 20:57	**शुक्र**	2-3-2091 22:36
केतु	28-9-2058 17:3	**शुक्र**	22-9-2075 20:57	**सूर्य**	12-2-2092 22:18
शुक्र	28-9-2061 11:3	**सूर्य**	11-7-2076 1:45	**चन्द्र**	13-9-2093 5:48
सूर्य	23-8-2062 4:27	**चन्द्र**	10-11-2077 1:45	**मंगल**	23-10-2094 1:27
चन्द्र	22-2-2064 1:27	**मंगल**	16-10-2078 23:21	**राहु**	29-8-2097 0:33
मंगल	11-3-2065 13:45	**राहु**	11-3-2081 13:45	**गुरु**	12-3-2100 7:45

वर्त्तमान दशा

दशा नाम	ग्रह	आरम्भ तिथि	सम्पति तिथि
महादशा	शुक्र	11-3-2004 7:45	11-3-2024 7:45
अंतर्दशा	शनि	9-1-2017 16:45	11-3-2020 7:45
प्रत्यंतर दशा	मंगल	10-2-2019 3:26	18-4-2019 14:42
सूक्ष्म दशा	गुरु	24-2-2019 4:47	5-3-2019 4:41

* ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।

fortune-teller.in

लग्न फल - कर्क

स्वामी	चंद्रमा
प्रतीक	केकडा
विशेषताएँ	जल तत्त्व, चर, उत्तर
भाग्यशाली रत्न	हीरा
व्रत का दिन	शुक्रवार

देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |
सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||

कैंसर राशि के व्यक्ति औसत से कम हौसले वाले, दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले,दयालु, धैर्यवान, सुस्त स्वभाव वाले,औरों का पालन-पोषण करने वाले, ग्रहणशील, रक्षात्मक , तीव्र , अस्थिर, मानसिक, भावनात्मक, अटल , कायर भावुक, शांत, संग्रहशील (बिना ज़रूरत के भी सामान एकत्र करने वाले) और तुनकमिजाज होते हैं, और औसत से कम जिंदादिल होते हैं ।

केकड़ा कर्क राशि का प्रतिनिधित्व करता है,जैसे वो चलते समय कभी आगे और कभी पीछे देखता है, वैसे ही आप को एक ही समय में भविष्य और भूतकाल के विषय में सोचने की आदत है।

> आप पूरी तरह से भविष्य का सामना नहीं करना चाहते हैं और हमेशा अतीत के बारे में चिंतित रहते हैं और यह सोच कर कि भविष्य के गर्भ में क्या छिपा है,आप अधिक चिंतित रहते हैं।

आप का जीवन कभी भी सरल और सीधा नहीं होगा ,अपितु आप अलग और निराले ढंग से जीवन के रास्ते पर चलेंगे।

आप संवेदनशील हैं और संकट के समय पीछे हट कर अपने आवरण में चले जाते हैं । चाहे कोई महत्वहीन बात ही क्यों न हो,आप भावनात्मक रूप से आसानी से आहत हो सकते हैं, और आप परिस्थितियों को व्यक्तिगत रूप ले सकते हैं ।

आप को यात्रा में आनंद मिलता है , लेकिन आप के मन में घर वापसी का विचार सदा बना रहता है । सुरक्षा जीवन में आप के लिए सब कुछ है। भौतिक सुरक्षा तभी प्राप्त होती है यदि योजनाओं का आधार सुविधापूर्ण हो, और भावनात्मक सुरक्षा आपको अपनी उस संपत्ति और अनुरागों से मिलती है जो आपके लिए भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण हैं।

fortune-teller.in

> “ वास्तव में, सभी भावनात्मक मूल्य और उनका महत्त्व आपके लिए सब कुछ है, आप सब कुछ रखना चाहते है। आप किसी विषय या व्यक्ति से एक बार जुड़ जाते हैं तो आप आसानी से उसे जाने नहीं देते है। जीवन में आप अपनी सोच से अधिक अपनी भावनाओं को स्थान देते हैं ।

आपका मिज़ाज ज्वार-भाटे की लहरों की तरह ऊपर और नीचे होता रहता हैं। चंद्रमा कर्क राशि का स्वामी है इसलिए चंद्रमा आपकी कुंडली में महत्वपूर्ण होगा।

सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

विवेकशीलता (अपनी सीमाओं की पहचान)

सकारात्मक लक्षण

घरेलू | भावुक | अंतर्निहित मन | मेधावी

नकारात्मक लक्षण

संकोची | आत्मविश्वास की कमी | अधीर | अतिभावुक

fortune-teller.in

Fortune Teller

FORTUNE TELLER

Fortune-Teller is a young and vibrant company that aims to provide good quality products. Fortune-Teller caters to the fashion needs of all generation. Our aim is to provide cost effective and quality products to our clients. We have support of different business professionals to ensure the quality services. We assume that our customers are our assets and they are helping us in our growth.

Website	:	https://www.fortune-teller.in
Email	:	support@fortune-teller.in
Mobile	:	+91 6267124400
Ladline	:	